वर्ष २०२० के लिए श्रीगुरुमाई के सन्देश की कलाकृति के दर्शन

२५ मार्च, २०२०

आत्मीय पाठकगण,

नमस्ते। *Buongiorno.* 你們 好 *Salut.* Здравствуйте こんにちは

१ जनवरी को 'मधुर सरप्राइज़' के सीधे वीडिओ प्रसारण के दौरान श्रीगुरुमाई ने हमें वर्ष २०२० के लिए अपना सन्देश प्रदान किया। हमें श्रीगुरुमाई का सन्देश हिन्दी भाषा में प्राप्त हुआ और अगले कुछ दिनों में गुरुमाई जी ने हमें यह समझाया कि उन्होंने अपना सन्देश पहले हिन्दी और फिर अंग्रेज़ी भाषा में क्यों दिया है। ऐसा इसलिए, क्योंकि श्रीगुरुमाई के सन्देश के जो दो मुख्य शब्द हैं उनके इतने सारे जटिल, गूढ़ और गहरे अर्थ हैं कि उनका अनुवाद कर पाना लगभग असम्भव-सा है! इन शब्दों को समझने और इनके मूल्य को पहचानकर इनकी सराहना करने का एक ही तरीक़ा है, इनके उन अलग-अलग गुणों को, इनमें छिपे अर्थ की उन अलग-अलग परतों को और इनके उस शास्त्रीय आधार को समझना जोकि हमारी सिद्धयोग साधना से सम्बन्धित है।

यह हमारा अनुपम सद्भाग्य भी है कि हम श्रीगुरुमाई की सन्देश-कलाकृति के रूप में उनके नववर्ष-सन्देश के बारे में उनका दृष्टिकोण जान पाते हैं। इस तरह, हम श्रीगुरुमाई के सन्देश के शब्दों का अध्ययन कर पाते हैं — और हमारे पास उनके सन्देश के दर्शन करने का सुअवसर होता है।

हर वर्ष सिद्धयोगी और वे साधक जो सिद्धयोग पथ पर अपनी यात्रा आरम्भ करना चाहते हैं, श्रीगुरुमाई की सन्देश-कलाकृति को अपने अध्ययन का एक अभिन्न अंग बनाते हैं। जब हम सन्देश-कलाकृति का अध्ययन करते हैं, तो हम चार शरीरों के स्तर पर सीख रहे होते हैं। हम कुण्डनिली शक्ति के माध्यम से भौतिक शरीर, भावनात्मक शरीर, बुद्धि व आध्यात्मिक शरीर द्वारा ज्ञान को विकसित करते हैं।

वर्ष २०२० के लिए श्रीगुरुमाई के सन्देश की कलाकृति के दर्शन करने हेतु आप कृपया मेरा आमन्त्रण स्वीकार करें। 'दर्शन' संस्कृत भाषा का एक उत्कृष्ट शब्द है जिसका अर्थ है, "वह जो पावन है, उसे देखना, उसका दृष्टान्त होना," "भगवान की अनुभूति करना।"

- कृपया यह सुनिश्चित करें कि आपके पास श्रीगुरुमाई के सन्देश की कलाकृति के साथ रहने के लिए पर्याप्त समय हो — कम-से-कम १५ मिनट।
- एक आरामदायक व सहज आसन में बैठें।
- श्वास-प्रश्वास के स्वाभाविक प्रवाह को महसूस करें।
- सन्देश-कलाकृति को देखें। सम्पूर्ण सन्देश-कलाकृति को देखने के बाद उसके किसी विशिष्ट भाग को देखें। फिर अपनी दृष्टि को सौम्य होने दें; सन्देश-कलाकृति को अपनी आँखों के सामने थोड़ा धुँधला हो जाने दें।
- इसके बाद, कलाकृति के किसी अन्य भाग को देखते हुए इस प्रक्रिया को दोहराएँ। कलाकृति को बारीकी से, एकाग्रता से देखें और फिर अपनी दृष्टि इस तरह सौम्य होनें दें कि कलाकृति की बारीकियों की तरफ़ आपका ध्यान न जाए या उन पर आपकी नज़र न पड़े और इस तरह आप पूरी कलाकृति को देख सकें।
- जैसा कि आप जल्द-ही देखेंगे, सन्देश-कलाकृति ब्रह्माण्ड के एक भाग को दर्शाती है। पटल पर दिख रहे बड़े, जगमगाते प्रकाश-बिन्दु हमारी आकाश-गंगा यानी 'मिल्की-वे,' के सितारे हैं। और छोटे व सौम्य प्रकाश-बिन्दु वास्तव में सम्पूर्ण आकाश-गंगाएँ हैं जिनमें १००-३०० अरब तारे हैं; इनमें से कुछ हमसे २५ अरब प्रकाश-वर्ष से भी अधिक दूर हैं। जब आप इस कलाकृति को तीक्ष्ण व सौम्य दृष्टि से देखते हैं, तो इससे आपकी वह क्षमता बढ़ती है जिससे कि आप अपने अन्दर वह सब कुछ उतार सकें जो यह बताना चाहती है और जो इसमें समाहित है। आपको इसकी सूक्ष्मताओं का, इसकी अनन्त गहराई का, इसके अभिप्राय के अनेक आयामों का सहज ज्ञान बेहतर रूप में होने लगता है। आप मन के परे जाते हैं और इसके फलस्वरूप आप देखते हैं कि सन्देश-कलाकृति में निहित चैतन्य शक्ति आपके समक्ष नृत्य कर रही है।
- सन्देश-कलाकृति के दर्शन करने का अर्थ है उसके साथ एकाकार हो जाना। पहली बार कलाकृति के दर्शन करते समय आपके अन्दर जो छवियाँ, अन्तर्दृष्टियाँ या भावनाएँ उभरती हैं, उन पर ध्यान दें।

कई सिद्धयोगी — वे जो व्यवसाय से कलाकार हैं और वे जो स्वयं को कलाकार नहीं मानते, दोनों ही — चित्र बनाकर, तस्वीरें खींचकर, हस्तकला द्वारा शिल्प बनाकर या फिर कविता लिखकर यह अभिव्यक्त करते हैं कि उन्होंने सन्देश-कलाकृति के दर्शन व अध्ययन द्वारा क्या सीखा। इसलिए मैं आपको प्रोत्साहित करता हूँ कि आप भी अध्ययन के ऐसे रचनात्मक तरीक़ों को अपनाएँ! कलाकृति आपके लिए क्या महत्त्व रखती है, इसकी कलात्मक अभिव्यक्ति करने का अपना तरीक़ा खोजें।

मेरी शुभकामनाएँ हैं कि इस पूरे साल, वर्ष २०२० के लिए सन्देश-कलाकृति के दर्शन से आपका दैनिक जीवन सराबोर रहे।

वर्ष २०२० के लिए श्रीगुरुमाई के सन्देश की कलाकृति के दर्शन करने के लिए अंग्रेज़ी पृष्ठ पर बने इस बॉक्स पर क्लिक करें :

Sign In:
Gurumayi's Message Artwork
for 2020

आदर सहित,

स्वामी ईश्वरानन्द

© २०२० एस. वाय. डी. ए. फ़ाउन्डेशन®। सर्वाधिकार सुरक्षित।